अनुक्रमणिका

विवरण	पृ. सं.
आभार	i-ii
प्राक्कथन	iii-vi
प्रथम अध्याय :	1-127
उत्तराखण्ड की भौगोलिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	-
1. उत्तराखण्ड की भौगोलिक पृष्ठभूमि	-
• उत्तराखण्ड की क्षेत्रीय संरचना एवं विभाजन	-
➢ गढ़वाल मण्डल, कुमाऊँ मण्डल	-
• गढ़वाल मण्डल	-
• गढ़वाल मण्डल के क्षेत्र	-
➢ हरिद्वार, देहरादून, चमोली, रूद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, पौडी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल	-
• कुमाऊँ मण्डल	-
• कुमाऊँ मण्डल के क्षेत्र	-
➢ अल्मोड़ा, नैनीताल, पिथौरागढ़, बागेश्वर चम्पावत, ऊधम सिंह नगर	-
2. उत्तराखण्ड की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	-
• प्रागैतिहासिक काल	-
• प्राचीन काल – कव्यूरी वंश	-
• मध्य काल – पंवार वंश, चंद वंश	-
• आधुनिक काल – अंग्रेजी शासन	-
3. उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	-

- कुमाऊँ मण्डल का क्षेत्रीय लोक जीवन -
- कुमाऊँ की जाति प्रजाति -
  - थारू, भोटिया, बोक्सा, राजी (वनरावत) -
- कुमाऊँ के मूल निवासी -
- कुमाऊँ के लोक संस्कार -
- कुमाऊँ मण्डल में संगीत -
- कुमाऊँ मण्डल में प्रचलित लोक गीतों की शैलियाँ -
  - ऋतुरैण, हुड़की बौल, मालूशाही, रमौल, भडौ, न्यौली, बैर, चौंफुला, बाला खेलाई -
- कुमाऊँ मण्डल के लोक वाद्य -
  - तत् वाद्य, सुषिर वाद्य, अवनद्ध वाद्य, घन वाद्य -
- कुमाऊँ मण्डल के लोक नृत्य -
  - छपेली, झोड़ा, ढुसका, चाँचरी -
- कुमाऊँनी लोक शैलियों की रागात्मक संरचना -
- कुमाऊँनी नृत्य गीतों की रागात्मक संरचना -
- शास्त्रीय संगीत के परिप्रेक्ष्य में कुमाऊँ मण्डल का भौगोलिक वातावरण -
- कुमाऊँ मण्डल में उत्तर भारतीय शास्त्रीय सांगीतिक स्थिति का संक्षिप्त रूप -

द्वितीय अध्याय : **128-151**

शास्त्रीय सांगीतिक परिप्रेक्ष्य में कुमाऊँ मण्डल का ऐतिहासिक प्रारूप -

तृतीय अध्याय : **152-172**

1. कुमाऊँ मण्डल में शास्त्रीय संगीत का संवर्धन व संरक्षण -

- शास्त्रीय संगीत के संवर्धन व संरक्षण की आवश्यकता -
- शास्त्रीय संगीत के संवर्धन व संरक्षण का महत्त्व -
- ➢ जनमानस की भावाभिव्यक्ति का सर्वांगीण विकास -
- ➢ शास्त्रीय संगीत द्वारा मानसिक, शारीरिक व आध्यात्मिक विकास -
- ➢ शास्त्रीय संगीत द्वारा सामाजिक व सांस्कृतिक विकास -
- ➢ शास्त्रीय संगीत द्वारा शिक्षा एवं व्यवसायिक विकास -
- ➢ शास्त्रीय संगीत द्वारा राष्ट्रीय एकता की भावना प्रेम–बन्धुत्व का उद्‌विकास -
- शास्त्रीय संगीत के संवर्धन व संरक्षण में जन मानस पर प्रभाव -
- शास्त्रीय संगीत के संवर्धन व संरक्षण में कुमाऊँ मण्डल के श्रोतागण -

चतुर्थ अध्याय : **173-191**

1. कुमाऊँ मण्डल में शास्त्रीय संगीत संदर्भित वस्तुस्थिति एवं विकासोन्मुख गतिविधियाँ -

- कुमाऊँ मण्डल में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान, पर्व–उत्सव -
- ➢ कुमाऊँनी बैठकी होली, कमाऊँनी रामलीला -
- कुमाऊँ मण्डल में आयोजित शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिताएँ एवं सम्मेलन -

पंचम् अध्याय : **192-264**

1. शास्त्रीय संगीत के संवर्धन व संरक्षण में कुमाऊँ मण्डल के संगीत कलाकार एवं शिक्षकों की भूमिका -

षष्ठम् अध्याय : **265-297**

1. शास्त्रीय संगीत के संवर्धन व संरक्षण में कुमाऊँ मण्डल की शिक्षण संस्थाओं में सरकारी व निजी संस्थाओं का योगदान -

- विद्यालय महाविद्यालय व विश्वविद्यालय में शास्त्रीय संगीत की स्थिति -
- शास्त्रीय संगीत के प्रचार–प्रसार में विभिन्न सरकारी एवं निजी संस्थायें -

उपसंहार **298-310**

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची **311-315**

परिशिष्ट – छायाचित्र -